भारत सरकार
शिक्षा मंत्रालय
स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग

राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 335
उत्तर देने की तारीख: 20.07.2022

स्कूल के अंकों में गिरावट

335. श्री मल्लिकार्जुन खरगे:

क्या ***शिक्षा*** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि सरकार द्वारा करवाए गए राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण (एनएएस) में यह पाया गया कि पंजाब और राजस्थान को छोड़कर सभी राज्यों में स्कूल के अंकों में पांच साल पहले की तुलना में गिरावट आई है;
(ख) यदि हाँ, तो क्या सरकार ने उक्त गिरावट के प्रमुख कारणों की पहचान की और तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ग) महामारी के दौरान जो छात्र स्कूल छोड़ चुके हैं उन्हें वापस लाने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं; और
(घ) क्या सरकार ने शिक्षण की गुणवत्ता पाठ्यक्रम की संरचना से संबंधित मुद्दों की पहचान की है और यदि हाँ, तो सरकार इन मुद्दों को कैसे और कब तक सुधारने की योजना बना रही है?

उत्तर
शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्रीमती अन्नपूर्णा देवी)

(क) और (ख) भारत सरकार द्वारा तीन साल की चक्र अवधि के साथ कक्षा III, V, VIII और X पर केन्द्रित नमूना आधारित राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण (एनएएस) का एक कार्यक्रम लागू किया जा रहा है।एनएएस का अंतिम दौर 12 नवंबर, 2021 को पूरे भारत में ग्रेड 3, 5, 8 और 10 के छात्रों को कवर करते हुए आयोजित किया गया था। एनएएस का लक्ष्य और उद्देश्य शिक्षा प्रणाली की स्थिति के संकेतक के रूप में बच्चों की प्रगति और सीखने की क्षमता का मूल्यांकन करना है, ताकि विभिन्न स्तरों पर

उपचारात्मक कार्रवाई के लिए उचित कदम उठाए जा सकें। एनएएस 2021 के लिए राष्ट्रीय, राज्य/संघ राज्य क्षेत्र और जिला रिपोर्टें पंजाब एवं राजस्थान 25.05.2022 को प्रकाशित की गई है. और http://nas.gov.inपर उपलब्ध हैं। इन रिपोर्टों से शिक्षा नीतियों, शिक्षण प्रथाओं और अधिगम में अधिगम अंतरालों की पहचान करने और आवशयक कार्रवाई निर्धारित करने में मदद मिलती है।

एनएएस के बाद के हस्तक्षेप राज्य / संघ राज्य क्षेत्र सरकारों को अधिगम के स्तर में सुधार करने और एनएएस 2021 डेटा के आधार पर विभिन्न योजना पर उन्मुख जानकारी देने के लिए दीर्घकालिक, मध्य-अवधि और अल्पकालिक हस्तक्षेप विकसित करने में सहायता करते हैं।

(ग) और (घ) महामारी के दौरान, शिक्षा मंत्रालय ने कोविड-19 महामारी के विभिन्न पहलुओं का आकलन करने के लिए राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों के साथ कई परामर्श किए। लॉकडाउन के दौरान और बाद में छात्रों के बीच अधिगम अंतराल और/या हानि से संबंधित मुद्दों का समाधान करने के उद्देश्य से, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) ने 'वैकल्पिक शैक्षणिक कैलेण्डर' तैयार किया है जो कक्षा 1 से 12 तक के लिए सप्ताहवार सीखने की योजना है। इसमें पाठ्यक्रम में शामिल विषयों/शीर्षकों से संबंधित दिलचस्प क्रियाकलाप और चुनौतियां हैं। इसमें अलग-अलग तरीके से अधिगम परिणामों के साथ विषयों/शीर्षकों को मैप किया गया है तथा छात्रों के सीखने की प्रगति का आकलन करने के लिए शिक्षकों/अभिभावकों की सहायता की जाती है। साथ ही साथ जिन छात्रों की इंटरनेट तक पहुँच है, उनके लिए ई-संसाधनों हेतु लिंक्स भी दिए गए हैं। एनसीईआरटी ने स्कूल नहीं जाने वाले बच्चों के लिए ब्रिज कोर्स भी तैयार किया है, जिसमें बहुत सारी गतिविधियाँ शामिल हैं जो अधिगम अंतराल को पाटने में सहायक हैं और राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों से भी प्रत्येक ग्रेड के लिए प्रारंभिक एक या दो महीने के लिए शिक्षण-कक्षों में स्कूल रेडीनेस मॉड्यूल/ब्रिज कोर्स तैयार करने और लागू करने का अनुरोध किया गया है।

इसके अतिरिक्त,पीएम ईविद्या नामक एक व्यापक पहल शुरू की गई है, जो शिक्षा के मल्टी-मोड एक्सेस को सक्षम बनाने के लिए डिजिटल/ऑनलाइन/ऑन-एयर शिक्षा से संबंधित सभी प्रयासों को एकीकृत करती है।पहल में निम्नलिखित घटक शामिल हैं:

- दीक्षा राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में स्कूल शिक्षा के लिए गुणवत्तापूर्ण ई-सामग्री उपलब्ध कराने संबंधी देश का डिजिटल बुनियादी ढांचा: और सभी ग्रेड के लिए क्यूआर कोडित एनर्जाइज्ड पाठ्यपुस्तकें (एक राष्ट्र, एक डिजिटल प्लेटफॉर्म)

- 1 से 12 तक प्रति कक्षा एक निर्धारित स्वयं प्रभा टीवी चैनल (एक कक्षा, एक चैनल)
- रेडियो, सामुदायिक रेडियो और सीबीएसई पॉडकास्ट का व्यापक उपयोग- शिक्षावाणी
- डिजिटली एक्सेसिबल इंफॉर्मेशन सिस्टम (डेज़ी) और एनआईओएस वेबसाइट/यूट्यूब पर सांकेतिक भाषा में विकसित दृष्टिबाधित और श्रवण बाधितों के लिए विशेष ई-सामग्री

स्वयम भारत सरकार द्वारा शुरू किया गया एक कार्यक्रम है और शिक्षा नीति के तीन प्रमुख सिद्धांतों अर्थात पहुंच, समता और गुणवत्ता को प्राप्त करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।इस प्रयास का उद्देश्य सर्वाधिक वंचितों सहित सभी तक सर्वोत्तम शिक्षण-अधिगम संसाधनों को पहुंचाना और छात्रों के बीच डिजिटल विभाजन को पाटना है।

निष्ठा एकीकृत प्रशिक्षण कार्यक्रम 1.0, 2.0 और 3.0 स्कूली शिक्षा के विभिन्न चरणों - शिक्षकों, प्रधान शिक्षकों / प्रधानाचार्यों और शैक्षिक प्रबंधन और प्रशासन में अन्य हितधारकों के लिए शुरू गया एकीकृत शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम है -

- प्रारंभिक स्तर के लिए निष्ठा 1.0 (कक्षा I-VIII)
- माध्यमिक स्तर के लिए निष्ठा 2.0 (कक्षा IX-XII)
- निपुण भारत के लिए निष्ठा 3.0 (ईसीसीई से कक्षा V)

समग्र शिक्षा के तत्वावधान में शिक्षा मंत्रालय (एमओई) द्वारा 5 जुलाई 2021 को मूलभूत साक्षरता और संख्या ज्ञान पर एक राष्ट्रीय मिशन "समझ के साथ पढ़ने और संख्या ज्ञान में प्रवीणता के लिए राष्ट्रीय पहल (निपुण भारत)" की शुरूआत की गई है।राष्ट्रीय मिशन ग्रेड 3 तक प्रत्येक बच्चे के लिए मूलभूत साक्षरता और संख्या ज्ञान में दक्षता के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के लिए प्राथमिकताएं और कार्रवाई एजेंडा निर्धारित करता है। कक्षा 1 के छात्रों के लिए विद्या प्रवेश मॉड्यूल शुरू किया गया है। यह कक्षा 1 में प्रवेश करने वाले बच्चों के लिए नाटक आधारित 3 महीने का स्कूल तैयारी कार्यक्रम है।

इसके अतिरिक्त, अधिगम अंतराल को पाटने और शिक्षा की निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए, इस विभाग ने सभी हितधारकों द्वारा किए जाने वाले कार्य / गतिविधियां, गतिविधियों का सांकेतिक वार्षिक कैलेंडर, मौजूदा कार्यकलाप जिनका उपयोग किया जा सकता है और एकबारगी उपाय के रूप में धन के साथ अतिरिक्त सहायता का वर्णन करते हुए दिनांक 01.02.2022 को सभी राज्यों और संघ राज्य

क्षेत्रों के साथ एक व्यापक लर्निंग रिकवरी योजना साझा की है।इसे वेबलिंक https://www.education.gov.in/sites/upload_files/mhrd/files/lpr2023.pdf पर देख जा सकता है।

सीबीएसई ने लॉकडाउन के प्रभाव को कम करने और गंभीर चिंतन और समग्र, पूछताछ-आधारित, खोज-आधारित, चर्चा-आधारित और विश्लेषण-आधारित अधिगम के लिए एनसीईआरटी की सिफारिश के अनुसार पाठ्यक्रम कम किया है।

****